VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 516283

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Anurag Ranjan Vatas

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

25/08/24

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Mukherjee Nagar

Shaly

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. **Q. No.**	**अंक** **Marks**		**प्रश्न सं.** **Q. No.**	**अंक** **Marks**	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) **Subtotal (A)**			**उप-योग (B)** **Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त कथन (गांधी) के साधन-साध्य की पवित्रता से है। जिसमें गांधी जी कहते है कि साध्य के साथ-साथ साधन भी पवित्र होने चाहिए।

उदा० - स्वतन्त्रता आंदोलन के समय (अहिंसा) का पालन करते हुए स्वतन्त्रता प्राप्त करना उनके साधन-साध्य की पवित्रता का ही उदाहरण है।

गांधी जी यह मत पाश्चीमी राजनीतिक विचारक (मैकयावेली) से इस संदर्भ में अलग है कि वह कहता है - यदि साध्य पवित्र है तो उसकी प्राप्ति हेतु कोई भी साधन अपनाया जा सकता है।

Eg: 'मैक्यावेली' के अनुसार युद्ध में जीत सुनिश्चित करने के लिए 'गैर-परमाणु राष्ट्र' पर परमाणु हमला करना नैतिक है।

गांधी के इस साधन-साध्य की पवित्रता के सिद्धान्त वर्तमान में भी उतने ही प्रासंगिक है जितने पहले थे -

1) किसी भी सरकारी व निजी नौकरी में योग्य व्यक्ति को ही भर्ती करना चाहिए न कि घूस लेकर अयोग्य व्यक्ति को।

2) प्रशासन के द्वारा किसी योजना को लागू करने हेतु उपलब्ध व आवश्यक संसाधन का पूर्ण उपयोग करना चाहिए।

गांधी का यह साधन-साध्य की पवित्रता का दर्शन लोगो, प्रशासन व सरकार को नैतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'कानून व नैतिकता में परिवर्तन सामाजिक परिवर्तनों के साथ-साथ होता रहता है।

कानून एवं नैतिकता के बीच गतिशील संबंध-

1) भ्रष्टाचार को सामाजिक व प्रशासनिक रूप से अनैतिक व अवैध माना जाता है इसलिए- भ्रष्टाचार प्रतिरोध अधिनियम 1988 पारित किया गया।

2) समाज में व्याप्त नैतिक बहुत बार कानूनी प्रावधानों हेतु राह प्रदान करती है।

Eg: निजता के अधिकार को सामाजिक रूप से नैतिक माना जाता है इसीलिए SC-द्वारा पुट्टास्वामी वाद में निजता के अधिकार को Art-21 के अंतर्गत संरक्षित किया गया।

परिणामस्वरूप IT Act के अंतर्गत निजता संरक्षण संबंधी प्रावधान किये गए।

सामाजिक परिवर्तनों का प्रभाव

1) 'तीन तलाक मामले' में विरोध के कारण 'शायराबानो वाद' में तलाक-ए-बिद्दत को असंवैधानिक कर दिया गया। तथा तत्पश्चात इसको कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया और एक ऐसे कृत्य को अनैतिक माना गया।

2) वैश्वीकरण, शहरीकरण, शिक्षा आदि ने महिलाओं की स्थिति में सुधार करके लैंगिक न्याय व समानता को बढ़ावा दिया। जिसके कारण - पितृसत्तात्मक मानसिकता में कमी आयी तथा 106 संविधान संशोधन जैसे राजनीतिक आरक्षण प्राप्त हुए।

अतः सामाजिक परिवर्तन नैतिकता व कानून के संचालक के रूप में कार्य करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शुचिता तथा सत्यनिष्ठा दोनो का संबंध ईमानदारी के मूल-भूत गुणा से है किन्तु उनके बीच कुछ मूल-भूत अन्तर है।

अन्तर

शुचिता	सत्यनिष्ठा
→ इसका संबंध प्रशासनिक कार्यों तक सीमित है	→ इस संबंध जीवन के प्रत्येक पक्ष से संबंधित है
→ प्रशासन व शासन के कार्यों के संबंध में ईमानदार रहना ही शुचिता है	→ मन, क्रम, वचन से ईमानदार रहना सत्यनिष्ठा है → यानि जब कोई न देख रहा हो तब भी अपने दायित्व के प्रति ईमानदार रहना
उदा०- किसी जिले के DM के द्वारा सरकारी संसाधनो का व्यक्तिगत हित हेतु प्रयोग न करना. → T.N. शेषन द्वारा चुनाव सुधार	उदा० :- गांधी जी द्वारा अपने पूरे जीवन को (अहिंसा) व सत्य से जीना

संबंध

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिविल सेवा में इनका योगदान

1) एक शुचिता पूर्ण किसी योजना के लाभ से वास्तविक लाभार्थी को वंचित नहीं करेगा।

Eg : मनरेगा के लिए अर्ह व्यक्ति को रोजगार से संबद्ध कराना

2) सत्यनिष्ठ व्यक्ति प्रशासन में ईमानदारी के साथ-साथ किसी भी अनैतिक कार्य का विरोध करेगा तथा उसमें सुधार का प्रयास करेगा।

Eg : लाल बहादुर शास्त्री द्वारा रेल दुर्घटना के बाद रेलवे मंत्री का पद छोड़ना।

सारत: ये नैतिक मूल्य 'सुशासन' में (सेवोत्तम मॉडल) को लागू करने में सहायता प्रदान करते है।

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक प्रशासन में सूचना को छुपाना व न प्रदान करना मौलिक अधिकार (Art - 19) का उल्लंघन है जोकि कई सारे नैतिक निहितार्थों को जन्म देता है -

1) भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है
2) प्रशासन में (सीक्रेसी कल्चर) को बढ़ावा देगा।
3) जनता ⟷ प्रशासन के बीच विश्वास में कमी आयेगी
4) जनता के प्रति जबावदेहिता में कमी आ जायेगी।
5) प्रशासन का अनैतिक व असंवेदनशील रवैया बढ़ सकता है
6) प्रशासन में जन भागीदारी व सहभागीता कम हो जायेगी
7) (सुशासन) के मूल्यों का विघटन होगा।

| पारदर्शिता को बढ़ाने वाले उपकरण |

→ RTI Act 2005
→ e-गवर्नेंस को बढ़ावा देना
→ आन्तरिक शिकायत निवारण प्रणाली
→ डिजीटली करण वृद्धि

| पारदर्शिता वृद्धि के लाभ |

1) सरकारी संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों, नीतियों व योजनाओं संबंधित कार्य की निगरानी की जा सकती है परिणामस्वरूप योजनाएँ जन केन्द्रित होंगी और बजट व्यय पर जबावदेहिता सिद्ध होगी
Eg :- मांग रुप का प्रयोग

2) DBT प्रयोग से e-गवर्नेंस में वृद्धि हुयी तथा लगभग 2.5 लाख करोड़ का लीकेज रुका। (RBI)

3) भ्रष्टाचार में कमी आयी।

भारत पारदर्शिता वृद्धि हेतु 'डिजिटली साक्षरता' में वृद्धि करके और सशक्त नागरिक निर्माण करना चाहिए

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी के शिक्षा संबंधी विचार में मत था कि बच्चो की शिक्षा-दीक्षा व संस्कार परिवार से ही शुरु हो जाते है।

उनके अनुसार जब एक घर सभ्य होता है तो बच्चे में व्यापक प्रभाव पड़ते है। जैसे-

1) यदि माँ-बाप अपने से बड़ो का आदर करते है तो बच्चा भी अपने से बड़ो का आदार करेगा।

2) यदि माँ-बाप प्रकृति प्रेमी है तो बच्चा भी आगे चलकर पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम से जुड़ सकता है। (वर्तमान के जलवायु परिवर्तन समाधान की आवश्यकता)

3) यदि माँ-बाप बच्चे को 'सर्वधर्म समभाव' का मूल्य सिखाते है तो बच्चा सांप्रदायिक सौहार्द व भारतीय संविधान की पंथनिरपेक्षता के मूल्य को अत्यधिक महत्व देगा।

4) यदि माँ-बाप 'सामाजिक न्याय' आदि का मूल्य बच्चे को सीखाते है तो बच्चा संवेदनशील वर्ग (SC/ST/सेकस वर्कर/ LGBTQI2S+) के प्रति सहानुभूति पूर्ण कार्य करेगा।

5) गांधी जी स्वयं अपनी माँ को अपना सबसे बड़ा शिक्षक मानते है और उनके द्वारा दी गयी शिक्षा का जीवन पर्यन्त पालन करते है।

गांधी जी इसी शिक्षा संबंधी विचार का समर्थन करते हुए पूर्व राष्ट्रपति 'अब्दुल कलाम' जी कहते है - एक बेहतर परिवार, माँ व शिक्षक पूरा समाज बदल सकते है।

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

टॉल्स्टॉय का मानना है यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को बदल ले तो पूरा समाज बेहतर बन जायेगा।

ऐसा ही विचार स्वामी विवेकानन्द ने भी प्रस्तुत किया था उन्होंने कहा कि यदि कोई स्वयं को बदल ले तो दुनिया अपने आप नैतिक बन जायेगी।

दरअसल अपने हित व लाभ के लिए लोग दूसरों को बदलना चाहते है न कि स्वयं को।

अत: स्वयं को बदलने पर महत्वपूर्ण लाभ हो पायेंगे.

1) स्वयं में सुधार आयेगा।
2) उसके परिवार के लोग उसका अनुसरण करेंगे और उनमें भी सुधार आयेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) इसी कड़ी में समाज सुधर सकता है।

Eg: गांधी जी पहले सत्य व अहिंसा को अपने में आत्मसात किया किसी पर थोपा नहीं।

दरअसल दूसरे कर को बदलने पर बदलाव शायद ही आये। जैसे-

1) बाह्य दबाव का दूसरा व्यक्ति कुछ दिन ही पालन करता है।
2) फिर वह अपने पुराने कार्य पर लौट जाता है।

अतः हमें स्वयं को बदलना चाहिए और बुद्ध द्वारा दिये गए 'आत्मदीपो भव:' का पालन करना चाहिए। इससे किसी को बदलने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी।

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त कथन कन्फ्यूशीयस (चीन के महान दार्शनिक) ने अकर्मण्यता के संदर्भ में कहा है।

उनका मानना है यदि किसी व्यक्ति को सही कार्य का ज्ञान नहीं है और वह भटक रहा है तथा अन्य कार्यों में लगा होकरके सार्थक कार्य नही कर रहा है तो वह कायर नही बल्कि भटका हुआ व्यक्ति है।

किन्तु यदि किसी व्यक्ति को सही का ज्ञान हो जाए तो भी न करना कायरता है।

Eg :- स्वास्थ्य के लिए शारीरिक व्यायाम अच्छा है, जानते हुए भी न करना कायरता का ही उदा० है।

वर्तमान में कई व्यक्तियों द्वारा कुछ बड़ी सफलता को चाहा तो जाता है किन्तु इसके लिए प्रयास न करना कायरता का ही उदाहरण है।

उदा०:- 'सिविल सर्वेंट' बनने का सपना देखना और पढ़ाई बिल्कुल भी न करना।

कन्फ्यूशीयस के ये नियम नैतिक नियमों के संदर्भ में भी लागू होते है-

उदा०:- भ्रष्टाचार गलत है ये जानते हुए सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान करना उस समाज के कायर होने को परिलक्षित करता है।

सारत: कन्फ्यूशीयस का यह कथन व्यक्ति को अकर्मण्य होने की बजाय 'गीता दर्शन' के साधना, त्याग, तप संबंधी प्रयास को बढ़ावा देता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी व्यक्ति, वस्तु, भाव, विचार के प्रति प्रति सकारात्मक या नकारात्मक रुझान का होना, अभिवृत्ति कहलाती है। जैसे-

1) नीरज चोपड़ा का भाला फेंक के तरफ सकारात्मक रुझान।

2) (बोको हराम) आतंकी ग्रुप का मानवाधिकार के तरफ नकारात्मक रुझान।

(जेफरी हैडॉक) के अनुसार सकारात्मक अभिवृत्ति को प्रभावित करने वाले 3 कारक हैं

संज्ञानात्मक — व्यवहारात्मक — भावनात्मक

1) **संज्ञानात्मक** -
- किसी कानून आदि से जानकारी प्राप्त करके
- किसी दूसरे समुदाय, देश के बारे में पुस्तक या सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करके

Eg :- खेल के प्रति बढ़ता सकारात्मक नजरिया

2) व्यवहारात्मक → परिवार, मित्र समूह, कॉलेज आदि में एक-दूसरे के व्यवहार से।
↳ लैंगिक समानता का मूल्य

3) भावनात्मक - आन्तरिक द्वारे या आन्तरिक भाव से।

कार्यक्षमता वृद्धि में सकारात्मक अभि० का योगदान -

1) संवेदनशील वर्गों के प्रति सहानुभूति के मूल्य को बढ़ा सकती है
2) e-गवर्नेंस के प्रति रुचि रखने वाले सिविल सेवक पारदर्शीता व जबावदेहिता के मूल्य को अधिक बढ़ावा देंगे,
3) प्रशासनिक मूल्य से प्रेरित व्यक्ति अपने कार्य को 9 to 5 की बजाय 24×7 कार्य हेतु समर्पित रहेगा तथा अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध व समर्पित रहेगा।

सारत: सकारात्मक अभि० (बेहतर 'कार्य संस्कृति निर्माण) को बढ़ावा दे सकती है,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मेयर व सेलवी के अनुसार EI का संबंध - अपनी भावना को समझना तथा दूसरे की भावना को समझ करके व्यवहार करने से है।

डेनियल गोलमैन ने अपनी पुस्तक 'why EI is more important than IQ' में EI से संबंधित पाँच सिद्धान्त प्रस्तुत किये है

- self motivation
- self Awareness
- social skill
- Empathy
- Responsible

डेनियल गोलमैन के ये सिद्धान्त सीमित सार्वजनिक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संसाधनो के आवंटन में निम्नलिखित रुप से सहयोग कर सकते है -

1) 'social skill' से परिपूर्ण प्रशासनिक व्यक्ति या सरकार जन भावना से परिचित होगी तथा उनकी आवश्यकता को समझेगी।

2) 'Empathy' व्यक्ति / संस्था को संवेदनशील व्यक्ति (SC/ST/ मैनुअल स्कैवेंजर्स / LGBTQI2S+) की समस्या को समझ कर समाधान में सहयोग करती है।

Eg :- i) मैनुअल स्कैवेंजर्स हेतु
→ नमस्ते स्कीम

ii) PDS के तहत गरीबी रेखा से नीचे लोगो को मुफ्त अनाज प्रदान करना।

अतः यह EI का ही गुण है जो नैतिक निर्णय में सहयोग करता है।

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विभिन्न मानवतावादी कार्यों हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा फंडिंग की जाती है

Eg :- गेट्स फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करना।

समक्ष नैतिक चुनौतियाँ

1) कई बार उन्हें राष्ट्रीय सरकारों द्वारा ~~प्रबंधित~~ प्रतिबंधित कर दिया जाता है,

Eg :- अमनेस्टी इंटरनेशनल को भारत सरकार द्वारा फंडिंग रोकना,

2) नस्लीय भेदभाव, का आरोप

3) पर्यावरणीय चिन्ता संबंधी नैतिक मुद्दे

मार्गदर्शक सिद्धान्त

- UN के अन्तर्गत UNHCR द्वारा जारी सिद्धान्तों का पालन।
- FATF द्वारा लिस्टेड सूची का प्रयोग करना।
- (स्व लाभ) की बजाय व्यापक हित समूह को लाभित करना।

भारत: अन्तर्राष्ट्रीय फंडिंग (वसुधैव कुटुम्बकम्) के सिद्धान्त को पालित करते हुए होनी चाहिए

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुनयन का सिविल सेवकों को महत्वपूर्ण लाभ होता है –

1) किसी दंगे को शान्त कराने में अनुनयन सहयोग कर सकता है

2) किसी समस्या के निजात में सहयोग कर सकता है

3) (सब - आर्डिनेट्स) को अनुनायित करके कार्य - संस्कृति में सुधार किया जा सकता है।

↓

सुशासन ।।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुनयन को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार

- दार्शनिकों के कथन व विचार।
  - बुद्ध
  - गांधी : सर्वोदय सिद्धांत
- संविधान
- कानून, नियम, विनियम,
- पारिवारिक नैतिक मूल्य
- पर्यावरणीय नीतियाँ।

भारत : ये सभी एक सकारात्मक प्रभाव डालते हैं जो प्रशासन में बेहतर कार्य संस्कृति को बढ़ावा देकर (सुशासन) व्यवस्था स्थापित करते हैं।

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोकसेवा में भ्रष्टाचार का बढ़ना एक सामान्य संस्कृति हो गयी है।

भ्रष्टाचार बढ़ने का कारण

① एकाधिकार + विशेषाधिकार - जवाबदेहिता = भ्रष्टाचार

② वोहरा कमेटी →

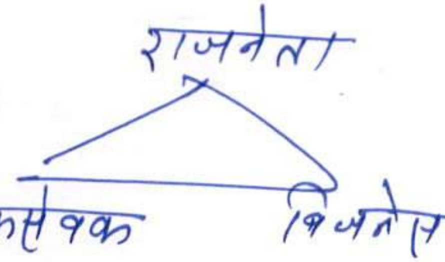

के बीच कार्टेल

अंकुश लगाने में नैतिक

नेतृत्व की भूमिका -

1) यदि अधिकारी ईमानदार रहता है तो सभी उसके नीचे के कर्मचारी ईमानदार रहते हैं

Eg:- अशोक खेमका

वर्तमान में e-governace भी एक नैतिक नेतृत्व भूमिका के रूप में कार्य कर रही है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दयानन्द सरस्वती जी ने सामाजिक व नैतिक विचार के तहत महत्वपूर्ण शिक्षाएं प्रदान की। —

1) ईश्वर में विश्वास करना।

2) बाह्य से ज्यादा आन्तरिक शक्ति पर विश्वास करना।

3) प्रकृति के संरक्षण को बढ़ावा देना।

4) समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना।

5) अपने से मा-पिता व गुरुजनों का आदर करना।

6) वेदों की ओर लौटो
7) वैदिक स्कूल की स्थापना

प्रासंगिकता -

1) आज के उपभोक्तावाद की संस्कृति से लड़ने में स्वामी जी की शिक्षा महत्वपूर्ण है।

2) बाह्य प्रभाव के स्थान पर आन्तरिक विश्वास अथवा मानसिक अवसाद की स्थिति से बचाता है।

3) मानवप्रेम का उनका सिद्धान्त सामाजिक सौहार्द्र को बढ़ावा देता है।

4) अपने से बड़ो तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व बोध सामाजिक न्याय को बढ़ावा देगा।

5) प्रकृति संरक्षण वर्तमान की संधारणीय व संपोषणीय विकास की माँग है।

ऐसे ही विचार उनके स्वामी विवेकानन्द द्वारा भी प्रस्तुत किये गए थे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

उपरोक्त केस स्टडी कार्पोरेट संस्थानो की 'गलत' कार्य - संस्कृति' से संबंधित है जहाँ पर महिलाओं को 'यौन उत्पीड़न' का सामना करना पड़ता है।

हितधारक
- मरियम
- XYZ corp.
- कंपनी के कर्मचारी
- आन्तरिक शिकायत कमेटी
- प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक
- करण (मरियम का दोस्त)
- कंपनी का बोर्ड
- सरकार / कानून / संबंधित प्रशासनिक संस्थाएँ

नैतिक मुद्दे -

1) कार्पोरेट नैतिक का अभाव
2) लैंगिक असमानता
3) लैंगिक अन्याय

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) पितृसत्तात्मकता बनाम लैंगिक न्याय

5) अनैतिक कार्य संस्कृति

6) कंपनी का हित बनाम कर्मचारियों का हित

7) स्वहित बनाम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना

(9) करण के समक्ष उपलब्ध नैतिक दुविधा -

(1) लैंगिक अन्य के खिलाफ आवाज बनाम शांत रहना

(2) स्वहित बनाम कार्पोरेट का हित

(3) पितृसत्तात्मकता का समर्थन बनाम लैंगिक न्याय हेतु आवाज उठाना

(4) मडियम हेतु आवाज उठायें या फिर शांत रहे

(5) वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जाए या स्वहित को महत्व दे।

(6) सामाजिक व नैतिक दायित्व का निर्वहन करे बनाम स्वहित पर ध्यान दे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

i) वह POSH में शिकायत न करें।

लाभ

- करण को प्रमोशन में लाभ मिल सकेगा
- मरियम को भी प्रमोशन में लाभ मिल सकेगा
- अन्य कर्मियों के साथ करण के संबंध मधुर रहेंगे।

हानि

- मरियम के साथ (यौन उत्पीड़न) जारी रहेगा
- कार्पोरेट नैतिकता व शासन के खिलाफ

ii) वह अपने आन्तरिक शिकायत कमेटी व बोर्ड मेंबर से शिकायत करें।

लाभ

- आन्तरिक शिकायत करने पर समाधान व पदोन्नति दोनों मिल सकती है

हानि

- वरिष्ठ नाराज हो सकते है तथा हो सकता है कंपनी से निकाल भी दे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

iii) POSH में शिकायत करना।

लाभ	हानि
→ मरियम को विधिक संरक्षण मिल पायेगा	→ करण व मरियम को प्रमोशन का नुकसान हो सकता है
→ दोषियों को सजा/दण्ड मिलेगा	→ कंपनी से निकाला भी जा सकता है
→ कंपनी की कार्य संस्कृति में सुधार आयेगा	

ऐसी स्थिति में करण को तीसरा विकल्प चुनना चाहिए क्योंकि -

i) किसी भी महिला के खिलाफ (यौन उत्पीड़न) करना या होना विधिक व नैतिक रुप से अपराध है,

ii) करण को अपने नैतिक, व विधिक व सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए POSH में शिकायत करना चाहिए।

iii) यह शिकायत करण व मरियम के नौकरी व पदोन्नति की सुरक्षा को भी संज्ञान में रखेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.

(b) What option should Jay adopt and why?

(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार व राजनीतिक हस्तक्षेप से संबंधित है।

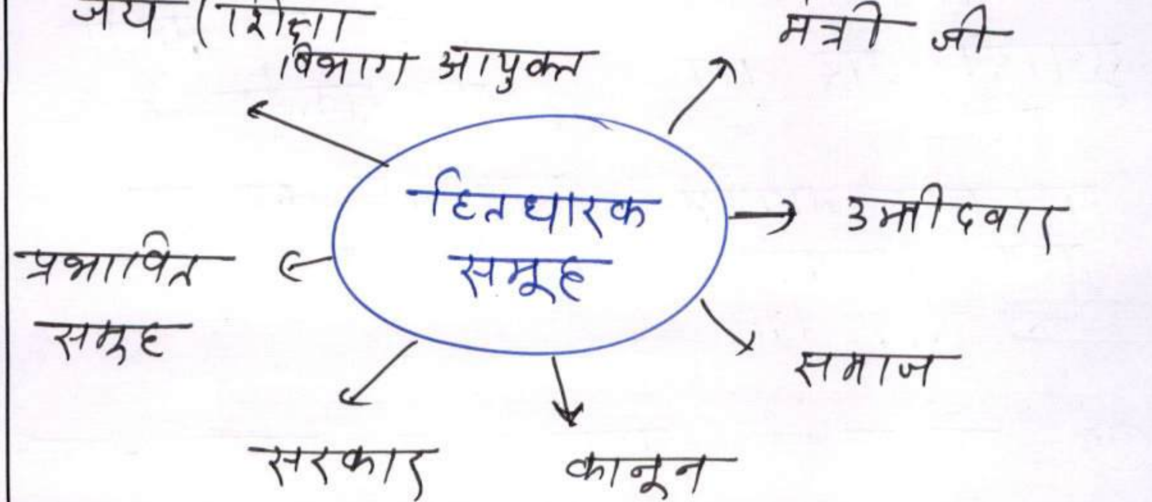

(a) उपलब्ध विकल्प

(क) उम्मीदवारों की लिस्ट को स्वीकार ले।

लाभ	हानि
→ पद पर नियुक्ति बनी रहेगी।	→ जय का स्थानान्तरण हो सकता है
→ मंत्री जी संरक्षण बना रहेगा.	→ मंत्री जी के व्यक्तिगत हित प्रभावित हो सकते है
→ मंत्री जी को चुनाव में लाभ मिलेगा।	

(ii) इसके बारे में मंत्री जी बात करना तथा इन्हें अवगत कराना की यह प्रक्रिया ठीक नहीं है।

लाभ	हानि
→ मंत्री जी हो सकता है धांधली को सुधारने पर मान जाए	→ मंत्री जी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है
→ योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया को मदद मिलें	→ आयुक्त का पद जा सकता है

(iii) लिस्ट को स्वीकार न करना तथा मंत्री जी को गलती से अवगत कराना तथा नई लिस्ट को जारी करने हेतु बोलना।

लाभ	हानि
→ भ्रष्टाचार ↓	→ जय का स्थानान्तरण हो सकता
→ योग्यता आधारित लोगो का चयन होगा।	→ आयुक्त के पद से अपदस्थ किया जा सकता है
→ शिक्षा प्रणाली सुधरेगी	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(6) ऐसी स्थिति में जय को (iii) विकल्प चुनना चाहिए क्योंकि

i) → सिविल सेवक होने के नाते जय को 'भ्रष्टाचार' के प्रति 'zero tolrance' की नीति का पालन करना चाहिए।

→ जय शुरु से ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना चाहता है।

→ योग्य लोग जब शिक्षा व्यवस्था में आयेंगे तभी शिक्षा प्रणाली सुधरेगी

→ जय का यह प्रशासनिक, कानूनी व नैतिक दायित्व है कि वह इस भर्ती प्रक्रिया को रोके ताकि 'राजनीतिक तटस्थता' जैसे मूल्य का निर्वहन कर सके।

⇓

सुशासन ॥

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ⓒ ऐसी स्थिति सिविल सेवको को निम्नलिखित तरीके से सुरक्षा प्रदान की जा सकती है -

ⓐ संवैधानिक संरक्षण
↳ Art - 310 व 311 के अन्तर्गत पद की सुरक्षा

(ii) विधिक संरक्षण
↳ सिविल सेवा (संरक्षण) अधिनियम के तहत

(iii) नीतिगत व संस्थागत
↳ DOPT द्वारा AIS की नियुक्ति।

(iv) राष्ट्रपति द्वारा ही उन्हे उनके पद से हटाया जा सकता है।

ऐसे ही सिविल सेवको में सुशासन के प्रति जबावदेहिता व पारदर्शिता भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक होतिहै

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी X शहरों में परिवहन अवसंरचना निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के बीच उत्पन्न विवाद के समाधान संबंधी निर्णय से संबंधित है।

हितधारक
- मैं (जिला मजिस्ट्रेट)
- X शहर
- X शहर के लोग
- मेट्रो प्रोजेक्ट
- NGO, पर्यावरण कार्यकर्ता, स्थानीय निवासी
- सरकार
- पर्यावरण पर आश्रित जीव-जन्तु।

ⓑ <u>नैतिक दुविधा</u>

① विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण – मेट्रो प्रोजेक्ट को ज्यादा महत्व दिया जाए या फिर पर्यावरण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

को ध्यान में रखते हुए मेट्रो प्रोजेक्ट को कैंसिल किया जाए।

② प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन बनाम सामाजिक हित का ध्यान देना।

③ शहर के प्रदूषण को ध्यान दे या फिर परिवहन जनित समस्या को हल करे।

④ मंत्री जी के प्रति उत्तरदायित्व निभाये या फिर आवश्यक कदम उठायें।

(b) उपलब्ध विकल्प

i) मेट्रो प्रोजेक्ट को मंजूरी दे और पेड़ो को काट दिया जाए।

लाभ	हानि
→ परिवहन समस्या से निजात मिलेगी	→ पर्यावरण को हानि होगा
→ मंत्री जी को चुनाव में लाभ होगा	→ वायु प्रदूषण जनित बीमारियाँ फैल सकती है।
→ मेरा प्रमोशन हो सकता है	

Candidates must not write on this margin / उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

ii) 'मेट्रो प्रोजेक्ट' को कैंसिल कर देना और एक भी पेड़ को न काटना।

लाभ	हानि
→ पर्यावरण पारिस्थितिकी बनी रहेगी।	शहरों में GHG उत्सर्जन बना रहेगा।
→ हितधारकों द्वारा किये जा रहे विरोध का सामना नहीं करना पड़ेगा	→ परिवहन ट्रैफिक की समस्या बनी रहेगी
	→ मंत्री जी को चुनाव में नुकसान हो सकता है।

iii) 'मेट्रो प्रोजेक्ट' का भी निर्माण हो तथा 'वनों को भी अधिकतम स्तर' तक बचाया जा सके।

लाभ	हानि
→ पर्यावरण + परिवहन दोनो समस्या सुलझ सकती है	→ प्रोजेक्ट की कॉस्ट बढ़ सकती है

ऐसी स्थिति में मैं (iii) विकल्प चुनूँगा। क्योंकि –

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

i) इससे पर्यावरण पारिस्थितिकी संरक्षित हो पायेगी। ⇒ प्रदूषण समस्या ↓ ⇒ आस-पास में प्रकृति बेहतर रहेगी ⇒ शहर के 'फेफड़ा' का संरक्षण होगा।

ii) 'मेट्रो परियोजना' निर्माण से परिवहन संबंधी समस्याओं में कमी आयेगी।

© भविष्य की योजनाओं हेतु उपाय -

① 'विकासगत परियोजनाओं' हेतु 'EIA' के तहत प्रोजेक्ट का वृहद स्तर पर मूल्यांकन करना।

② परियोजना को 'Nature based solution' आधारित 'ग्रीन प्रोजेक्ट' के रूप में डेवलेप करना।

③ शहरी पर्यावरण व वनो के संरक्षण हेतु प्रोजेक्ट के साथ 'मियावाकी पद्धति' पर वनारोपण को बढ़ावा देना।

अतः संधारणीय शहरी विकास हेतु 'ग्रीन प्रोजेक्ट डेवलमेंट' को बढ़ावा देकर ही SDG-11 की प्राप्ति हो सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी दवा कंपनियों द्वारा (निर्माण) अनैतिक व अवैध तरीके से लाभ अर्जित करने से संबंधित है (मेडिकल एथिक्स)

(a) हितधारक

i) डॉ मेहरा – फार्मा कंपनी के वरिष्ठ ड्रग डेवलपर

ii) बोर्ड के सदस्य - जोकि दवा में विषाक्तता होने बावजूद उसको रिलीज करने के लिए कह रहे है

iii) समाज - जो इस दवा का उपयोग करेंगी

iv) दुर्लभतम रोग से पीड़ित लोग व उनका परिवार

v) अन्य दवा कंपनियाँ :

vi) सरकार - जोकि विधि, नियम व विनियमन करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) डॉ मेहरा के ~~साथ~~ समक्ष नैतिक मुद्दे -

① कंपनी का हित बनाम सामाजिक हित

② बोर्ड सदस्यों की बात को मानें या फिर उन्हें मना कर दे

③ कंपनी को लाभ दिलायें या फिर कंपनी को अवसर में घाटा कराये

④ विद्यमान विषाक्त समस्या को दूर करने का इंतजार करे या फिर दवा को तुरंत लागू कर दे।

⑤ कार्पोरेट गवर्नेंस के विधिक नियमों व नैतिक नियमों का पालन करे या फिर उसका उल्लंघन करें।

⑥ अल्पकालिक व तात्कालिक हित बनाम दीर्घकालिक हित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) उपलब्ध विकल्प

i) दवा को बिना सुधार के जारी करना।

लाभ	हानि
→ कंपनी के लाभ में वृद्धि।	→ रोगीयों के लिए दवा जानलेवा हो सकती है
→ डॉ. मेहरा का प्रमोशन व वित्त लाभ हो सकता है।	→ उनमें अन्य रोग जन्म ले सकते है
	→ अनैतिक व अवैध कार्य होगा।

ii) दवा को रिलीज न करना

लाभ	हानि
→ मरीजों पर अवांछित प्रभाव नहीं होगा	→ कंपनी को आर्थिक हानि हो सकती है
→ मेडिकल एथिक्स का पालन होगा	

iii) सुधार का इंतजार करना फिर मार्केट में रिलीज करना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ	हानि
→ मरीजो को लाभ मिल सकेगा। → मेडिकल एथिक्स का पालन होगा	→ कोई अन्य कंपनी द्वारा दवा रिलीज करने पर आर्थिक नुकसान हो सकता है

ऐसी स्थिति मैं (तीसरे विकल्प का चुनाव (गांधी के साधन -साध्य) की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए करुँगा। क्योंकि -

i) डॉ होने के नाते (मेडिकल एथिक्स) का पालन करना चाहिए।

ii) (हिप्पोक्रेटिक ओथ) मैं लोगो के बचाव हेतु शपथ लिया था।

iii) कानूनी रुप से अवैध व अनैतिक कार्य करना दण्डनीय अपराध है।

ऐसी स्थिति में (मेडिकल एथिक्स) के नियमो का पालन करुँगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी ब्यूरोक्रैटिक खराब संस्कृति व वरिष्ठो द्वारा अधीनस्थो के काम को महत्व न देने से संबंधित है। ऐसे ~~कारणो~~ खराब कार्य संस्कृति के कारण अधीनस्थो का मनोबल टूटता है।

(a) शामिल नैतिक मुद्दे

① प्रशासनिक कार्यप्रणाली में व्याप्त अनैतिक कार्य संस्कृति संबंधी मुद्दा

② वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने

कनिष्ठ अधिकारियों के मेहनत व प्रयास को महत्व न देना।

③ प्रशासन में व्याप्त 'बाबूडम' संस्कृति को दिखाता है

④ यह प्रशासन में व्याप्त 'बॉस (इज एवरीथिंग' माइन्डसेट को प्रस्तुत करता है।

⑤ (सुशासन' के नियमों का उल्लंघन करता हुआ दिखाई देता है।

⑥ उपरोक्त कार्य संस्कृति निम्नलिखित रूप में मनोबल व उत्पादकता को प्रभावित करती है-

① कनिष्ठ अधिकारियों में कार्य के प्रति अरुचि पैदा हो जाती है,

② वह नवाचार तथा आगे बढ़ कार्य करने से हटने लगते है

③ निरुत्साह ढंग से कार्य करने के कारण प्रशासन की दक्षता कम हो जाती है।

④ ऐसे में प्रशासन में उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्कृष्ट उपयोग नहीं हो पाता है।

ⓒ मेरे पास उपलब्ध विकल्प

- सचिव के समक्ष अपने वरिष्ठ के इच्छा को प्रदर्शित करूँ
- बिना विरोध के शान्त रहूँ
- कोई अन्य विकल्प का चुनाव करूँगा।

ऐसी परिस्थिति में मैं मुख्य सचिव के समक्ष यह बात जरूर रखूँगा और उन्हें बताऊँगा कि ये स्वं विरासत संरक्षण संबंधी कार्य में मेरे द्वारा अथक प्रयास किया

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गया है तथा वरिष्ठ अधिकारी द्वारा इसमें नीतिगत मार्गदर्शन किया गया है।

इसलिए प्रशासन में अच्छी संस्कृति को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये जाने चाहिए -

(i) वास्तविक कार्य करने वाले को अतिरिक्त प्रोत्साहन व प्रमोशन की सुविधा। (कार्पोरेट की तरह)

(ii) 2nd ARC द्वारा सुझाये गए 'कार्य संस्कृति' संबंधी अनुशंसा को लागू करना।

अतः प्रशासन में एक अच्छी कार्य-संस्कृति ही सुशासन को बढ़ावा देगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी कार्पोरेट ← राजनीति के बीच व्याप्त कार्टेल जनित भ्रष्टाचार से संबंधित है जोकि स्वहित के लिए सामाजिक व पर्यावरणीय हितो से समझौता करती है।

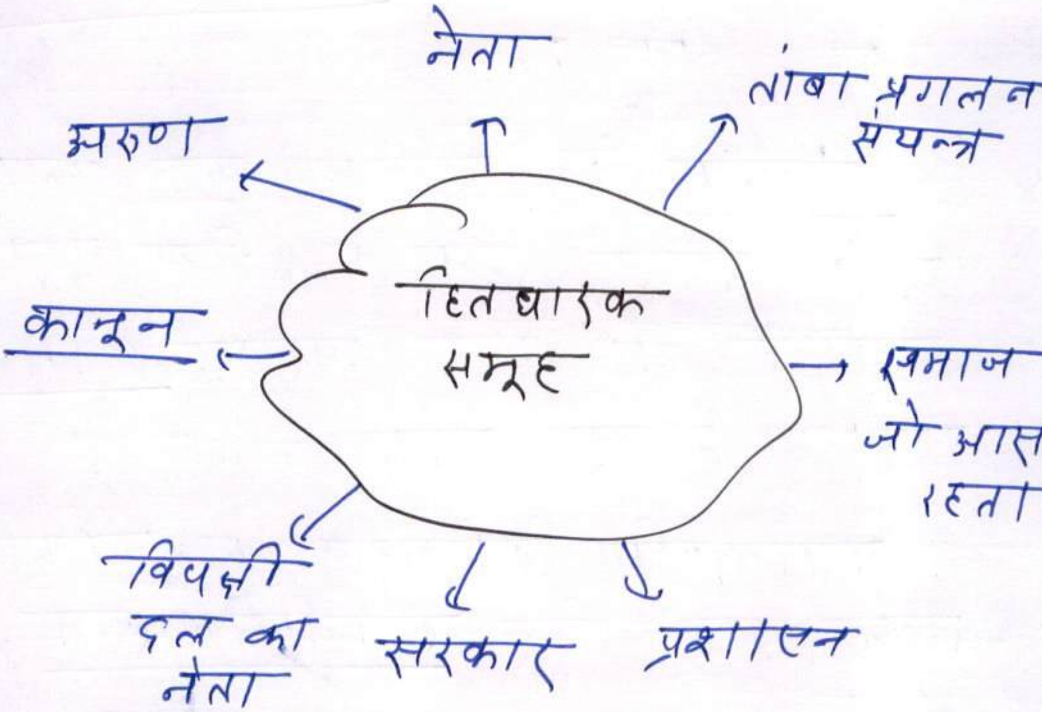

(a) ऐसे प्रकरण (बोहरा कमेटी) द्वारा बताये गये –

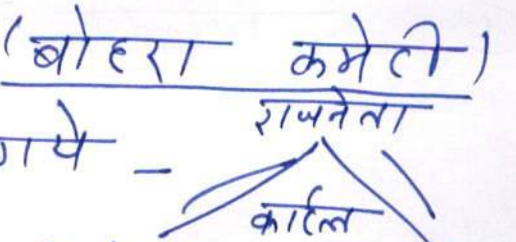

गठजोड़ को प्रदर्शित करता है जिसके कारण विभिन्न नैतिक मुद्दे उभर करके आते हैं

1) अपने निजी हितो को ध्यान में रखना तथा नेता प्रतिपक्ष द्वारा बतायी गयी बातो को इगनोर करना।

2) 'प्रशासनिक दायित्वो' को निर्वहन करना या फिर 'पर्यावरणीय क्षति' को होने देना।

3) कंपनी के मालिक को बुलाकर उससे शान्त रहने के लिए घूस माँगना या फिर निष्पक्ष (EIA) रिपोर्ट तैयार करना

4) पर्यावरणीय नैतिकता को सर्वोपरि रखना या फिर राजनीतिक लाभ लेना

5) राजनीतिक तटस्थता बनाम राजनीतिक हित का निर्वहन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

(b) अरुणा के पास उपलब्ध विकल्प

i) वह संयंत्र की रिपोर्ट की पुन: (EIA) जाँच करें।

लाभ	हानि
→ आर्द्रभूमि पर पड़ने वाले वास्तविक प्रभाव का पता चलेगा	→ मंत्री द्वारा पुन: स्थानान्तरण किया जा सकता है
→ हितधारकों की सुरक्षा होगी	→ संयंत्र के मालिक को नुकसान होगा

ii) नेता विपक्ष की बात पर ध्यान न देना।

लाभ	हानि
→ कंपनी को लाभ	→ आर्द्रभूमि नष्ट होगी
→ मंत्री को लाभ	→ उस पर आश्रित लोगों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होगी।
→ स्थानान्तरण से बचे रहेंगे	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऐसी स्थिति में अरुण को पहले विकल्प का चुनाव करना चाहिए। क्योंकि -

① वह अपने प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन करेगा।

② सुशासन हेतु आवश्यक (सहानुभूति) तथा (जन सहभागिता) के मूल्य का निर्वहन कर पायेगा।

③ सिविल सेवक का यह कर्त्तव्य होता है कि वह कोई भी अन्(अवैध) कार्य को रोके

⇓

प्रशासनिक कर्त्तव्यनिष्ठता ॥

उपरोक्त कदम उसके सुशासन हेतु आवश्यक (नैतिक कर्त्तव्यनिष्ठता पालन से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देंगे तथा भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक होंगे।

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK